https://www.echetana.com/Vol.-10, No.-02, April-June 2025, pp. 41-46

CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2025 - 8.445

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

शैक्षिक सुविधाओं का अकादमिक अभिप्रेरणा और उपलब्धि पर प्रभाव :उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों पर एक अध्ययन

राजकुमार ढाका
शोधार्थी
डॉ.आभा शर्मा
शोध निर्देशिका
महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय, जयपुर (राज)
E-mail - rajkumar.dhaka4@gmail.com, Mobile-7877757617

First draft received: 05.04.2025, Reviewed: 20.04.2025
Final proof received: 15.05.2025, Accepted: 30.05.2025

शोध-सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी सुधारों की अपेक्षा की गई है। इस नीति का उद्देश्य वर्ष 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100% सकल नामांकन अनुपात (GER) के साथ-साथ पूर्व-विद्यालय से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करना है । इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा में भी वर्ष 2035 तक GER को 50% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है । इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पर्याप्त शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता अनिवार्य है। NEP 2020 प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर भी विशेष जोर देती है, जिसका उपयोग कक्षा प्रक्रियाओं में सुधार, शिक्षकों के पेशेवर विकास को समर्थन, वंचित समूहों के लिए शैक्षिक पहुँच बढ़ाने और शैक्षिक योजना, प्रशासन तथा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए किया जाना है । यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि आधुनिक सुविधाएँ केवल भौतिक नहीं, बल्कि डिजिटल भी हैं, और ये भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मुख्य शब्द : *राष्ट्रीय शिक्षा नीति) NEP) 2020, सकल नामांकन अनुपात, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उच्च शिक्षा आदि..*

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है, और विद्यार्थियों की अकादमिक अभिप्रेरणा इसके गुणात्मक परिणामों की दिशा में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। सीखने की प्रक्रिया और शैक्षिक परिणामों को सीधे प्रभावित करने वाली यह अभिप्रेरणा, एक गतिशील कारक है जो छात्रों के शैक्षणिक पथ को आकार देती है। वर्तमान युग में विद्यालयों में दी जा रही शैक्षिक सुविधाएँ, जिनमें पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, स्मार्ट कक्षाएं, खेल सामग्री, कंप्यूटर लैब्स और इंटरनेट सुविधा शामिल हैं, न केवल सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाती हैं, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर सीखने की प्रेरणा को भी सुदृढ़ करती हैं। ये सुविधाएँ छात्रों को आधुनिक ज्ञान और कौशल से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति) NEP) 2020 में शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी सुधारों की अपेक्षा की गई है। इस नीति का उद्देश्य वर्ष 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100% सकल नामांकन अनुपात) GER) के साथ-साथ पूर्व-विद्यालय से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करना है । इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा में भी वर्ष 2035 तक GER को 50% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है । इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पर्याप्त शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता अनिवार्य है। NEP 2020 प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर भी विशेष जोर देती है, जिसका उपयोग कक्षा प्रक्रियाओं में सुधार, शिक्षकों के पेशेवर विकास को समर्थन, वंचित समूहों के लिए शैक्षिक पहुँच बढ़ाने और शैक्षिक योजना, प्रशासन तथा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए किया जाना है । यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि आधुनिक सुविधाएँ केवल भौतिक नहीं, बल्कि डिजिटल भी हैं, और ये भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण हैं।

नीतिगत आकांक्षाओं और जमीनी हकीकत के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर हो सकता है, विशेष रूप से भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में। पर्याप्त सुविधाओं की कमी, नीतिगत प्रयासों के बावजूद, GER और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्यों को बाधित कर सकती है। प्रौद्योगिकी-आधारित बुनियादी ढांचे पर जोर भविष्य के लिए तैयार शिक्षा की ओर एक बदलाव का संकेत देता है, जिससे ऐसी सुविधाओं की उपस्थिति छात्रों को आधुनिक दुनिया के लिए तैयार करने में एक महत्वपूर्ण निर्धारक बन जाती है। यह अध्ययन वर्तमान सुविधाओं का आकलन करके इस बात का

अनुभवजन्य प्रमाण प्रदान कर सकता है कि नीतिगत लक्ष्य जमीनी स्तर पर किस हद तक पूरे हो रहे हैं, विशेष रूप से डिजिटल विभाजन और सीखने के लिए इसके निहितार्थों के संबंध में।

शैक्षिक सुविधाओं की अवधारणा

शैक्षिक सुविधाएँ एक व्यापक अवधारणा हैं, जिसमें भौतिक अधोसंरचना और डिजिटल संसाधन दोनों शामिल हैं। भौतिक अधोसंरचना में पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, कक्षाएँ, खेल के मैदान, प्रशासनिक कक्ष और कार्यशालाएँ जैसी आवश्यक संरचनाएँ शामिल हैं। डिजिटल संसाधनों में कंप्यूटर लैब, इंटरनेट कनेक्टिविटी, स्मार्ट कक्षाएँ और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसी आधुनिक सुविधाएँ आती हैं। ये सुविधाएँ सीखने के वातावरण को समृद्ध करती हैं और विद्यार्थियों के लिए सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावी बनाती हैं।

शोध साहित्य स्पष्ट रूप से बताता है कि सीखने की सुविधाएँ और बुनियादी ढाँचा शैक्षिक प्रक्रिया के संबंध में एक बहुत बड़ा कार्य करते हैं। उनकी उपस्थिति शैक्षिक प्रक्रिया में बिल्कुल आवश्यक है, जिससे सीखने की सुविधाएँ और बुनियादी ढाँचा उन घटकों में शामिल हो जाते हैं जिन्हें शैक्षिक प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मौजूद और पूरा किया जाना चाहिए। अपर्याप्त सुविधाएँ शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को गंभीर रूप से बाधित कर सकती हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि केवल सुविधाओं का *होना* ही पर्याप्त नहीं है; उनकी *गुणवत्ता, पहुँच,* और *प्रभावी उपयोग* भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, बिना प्रासंगिक पुस्तकों वाला पुस्तकालय या बिना कार्यशील इंटरनेट या कुशल प्रशिक्षकों वाला कंप्यूटर लैब वांछित प्रेरणा या उपलब्धि परिणाम नहीं दे सकता है। इस प्रकार, सुविधाओं के आकलन में केवल उनकी उपस्थिति ही नहीं, बल्कि उनकी कार्यात्मक गुणवत्ता और उपयोगिता को भी मापना आवश्यक है।

अकादमिक अभिप्रेरणा की अवधारणा

अभिप्रेरणा को एक आंतरिक शक्ति या ऊर्जा के रूप में परिभाषित किया जाता है जो व्यक्ति को कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। यह व्यक्ति की किसी आवश्यकता, कमी या इच्छा से उत्पन्न होती है और उसे एक विशिष्ट लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार की ओर अग्रसर करती है। शैक्षिक संदर्भ में, अभिप्रेरणा का अत्यधिक महत्व है। प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक स्किनर के अनुसार, "अभिप्रेरणा अधिगम का सर्वोत्कृष्ट राजमार्ग है"। यह छात्रों में रुचि उत्पन्न करने, उसे बनाए रखने और सीखने के कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में सहायक होती है।

अकादमिक अभिप्रेरणा को समझने के लिए कई प्रमुख सिद्धांत विकसित किए गए हैं, जिनमें प्रत्याशा-मूल्य सिद्धांत, सामाजिक-संज्ञानात्मक सिद्धांत, स्व-निर्धारण सिद्धांत, रुचि सिद्धांत, उपलब्धि लक्ष्य सिद्धांत और आरोपण सिद्धांत शामिल हैं। ये सिद्धांत योग्यता)competence), मूल्य) value) और व्यक्ति-संदर्भ अंतःक्रिया) person-context interaction) जैसे आवर्ती विषयों पर जोर देते हैं। उदाहरण के लिए, स्व-निर्धारण सिद्धांत बताता है कि स्वायत्तता, योग्यता और संबद्धता की बुनियादी मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की संतुष्टि इष्टतम प्रदर्शन की ओर ले जाती है। जब इन सिद्धांतों को शैक्षिक सुविधाओं से जोड़ा जाता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि एक सुसज्जित वातावरण छात्र की योग्यता की भावना को बढ़ा सकता है) जैसे प्रयोगों के लिए प्रयोगशालाओं तक पहुँच, परियोजनाओं के लिए कंप्यूटर(, सीखने के कथित मूल्य को बढ़ा सकता है) जैसे आकर्षक स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से(, और स्वायत्तता को बढ़ावा दे सकता है) जैसे पुस्तकालय संसाधनों में विकल्प(। इसके विपरीत, खराब सुविधाएँ इन प्रेरक कारकों को कमजोर कर सकती हैं, जिससे अरुचि और कम प्रयास हो सकता है। यह अध्ययन अप्रत्यक्ष रूप से परीक्षण करता है कि" स्थिति) "सुविधाएँ (कैसे प्रेरणा के "स्व "और" लक्ष्य "पहलुओं को प्रभावित करती है, जैसा कि एक एकीकृत ढाँचे में वर्णित है।

शैक्षिक उपलब्धि की अवधारणा

शैक्षिक उपलब्धि छात्रों द्वारा शैक्षणिक लक्ष्यों की प्राप्ति में प्राप्त ज्ञान, कौशल और दक्षताओं का प्रदर्शन है। शिक्षा के क्षेत्र में, छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों के मापन को सामान्यतः मूल्यांकन कहा जाता है। हालांकि, मापन और मूल्यांकन के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। मापन किसी प्रेक्षण की मात्रा निर्धारित करना या वस्तुओं को अंक प्रदान करने की प्रक्रिया है। उदाहरण के लिए, उपलब्धि परीक्षाओं की उत्तर-पुस्तिकाओं पर अंक प्रदान करना मापन है। इसके विपरीत, मूल्यांकन मापन के परिणामों की पूर्व-निर्धारित मानदंडों के आधार पर व्याख्या है। शैक्षिक माप सापेक्षिक होते हैं, पूर्ण नहीं; उदाहरण के लिए, यदि एक छात्र को 60 अंक और दूसरे को 30 अंक मिलते हैं, तो यह नहीं कहा जा सकता कि पहले की उपलब्धि दूसरे से दोगुनी है, क्योंकि शैक्षिक माप संदर्भ पर निर्भर करते हैं।

शैक्षिक मूल्यांकन में केवल उपलब्धि ही नहीं, बल्कि बुद्धि, रुचि, अभिक्षमता और व्यक्तित्व जैसे छात्रों के अनेक गुणों का भी मापन किया जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति) NEP) 2020 भी व्यापक और अनुकूली मूल्यांकन दृष्टिकोणों के उपयोग पर जोर देती है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत प्रदर्शन और प्रणालियों का आकलन करना है। जबकि यह अध्ययन उपलब्धि के लिए अंकपत्रों) एक मात्रात्मक माप (का उपयोग करता है, यह समझना महत्वपूर्ण है कि उपलब्धि केवल अंकों से कहीं अधिक है; यह व्यापक सीखने और विकास का एक प्रतिबिंब है। बड़े पैमाने पर मूल्यांकन, जैसे वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट) ASER), व्यक्तिगत प्रगति के बजाय एक" प्रणाली के स्वास्थ्य "में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि स्कूल के प्रकार और क्षेत्रों में उपलब्धि में अंतर केवल व्यक्तिगत छात्र प्रदर्शन के बारे में नहीं है, बल्कि शैक्षिक गुणवत्ता और संसाधन आवंटन में प्रणालीगत असमानताओं के संकेतक के रूप में भी कार्य करता है। इस प्रकार, उपलब्धि में अंतर पर अध्ययन के निष्कर्ष नीति निर्माताओं को न्यायसंगत संसाधन वितरण और गुणवत्ता सुधार पहलों के संबंध में सूचित कर सकते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- उच्च माध्यमिक विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं का आकलन करना) विद्यालय के

प्रकार - सरकारी/निजी - और क्षेत्र - ग्रामीण/शहरी - के आधार पर(।

- उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की अकादमिक अभिप्रेरणा के स्तर का विश्लेषण करना)विद्यालय के प्रकार और क्षेत्र के आधार पर(।
- उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के स्तर का विश्लेषण करना) विद्यालय के प्रकार और क्षेत्र के आधार पर(।
- शैक्षिक सुविधाओं, अकादमिक अभिप्रेरणा और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का परीक्षण करना।

परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत शोध निम्नलिखित परिकल्पनाओं पर आधारित है:

- **परिकल्पना 1:** उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रकार) सरकारी/निजी (और क्षेत्र) ग्रामीण/शहरी (के आधार पर उनकी शैक्षिक सुविधाओं में सार्थक अंतर हो सकता है।
- **परिकल्पना 2:** उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रकार) सरकारी/निजी (और क्षेत्र) ग्रामीण/शहरी (के आधार पर उनके छात्र-छात्राओं की अकादमिक अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर हो सकता है।
- **परिकल्पना 3:** उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रकार) सरकारी/निजी (और क्षेत्र) ग्रामीण/शहरी (के आधार पर उनके छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर हो सकता है।

अनुसंधान पद्धति

शोध की प्रकृति

यह शोध वर्णनात्मक) Descriptive) और तुलनात्मक)Comparative) प्रकृति का है। वर्णनात्मक पहलू उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक सुविधाओं, अकादमिक अभिप्रेरणा और शैक्षिक उपलब्धि के वर्तमान स्तरों का चित्रण करेगा। तुलनात्मक पहलू विद्यालय के प्रकार)सरकारी बनाम निजी (और क्षेत्र) ग्रामीण बनाम शहरी (के आधार पर इन चरों में सार्थक अंतरों का विश्लेषण करेगा।

न्यादर्श

शोध में कुल 600 उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों का चयन किया गया। सरल यादृच्छिक विधि का उपयोग किया गया, लेकिन नमूने को विभिन्न उप-समूहों में स्तरीकृत)stratified) किया गया ताकि प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके।

- **कुल 600 विद्यार्थी**
  - **क्षेत्र के आधार पर:**
    - 300 शहरी विद्यार्थी
    - 300 ग्रामीण विद्यार्थी
  - **विद्यालय के प्रकार के आधार पर) प्रत्येक क्षेत्र के भीतर:(**
    - **शहरी:** 150 सरकारी विद्यालय से, 150 निजी विद्यालय से
    - **ग्रामीण:** 150 सरकारी विद्यालय से, 150 निजी विद्यालय से
  - **लिंग के आधार पर) प्रत्येक विद्यालय प्रकार के भीतर:(**
    - **शहरी सरकारी:** 75 छात्र, 75 छात्राएँ
    - **शहरी निजी:** 75 छात्र, 75 छात्राएँ
    - **ग्रामीण सरकारी:** 75 छात्र, 75 छात्राएँ
    - **ग्रामीण निजी:** 75 छात्र, 75 छात्राएँ

उपकरण

अध्ययन में निम्नलिखित उपकरणों का उपयोग किया गया:

- **शैक्षिक उपलब्धि मापन हेतु:** विद्यार्थियों की गत वार्षिक परीक्षा की अंकतालिका का उपयोग किया जाएगा। यह एक मानकीकृत और वस्तुनिष्ठ माप है जो छात्रों के वास्तविक शैक्षणिक प्रदर्शन को दर्शाता है। शैक्षिक मापन की अवधारणा में अंकों का उपयोग किया जाता है, हालांकि उनकी व्याख्या सापेक्षिक होती है।
- **शैक्षिक सुविधाओं की मापनी) Self-made Scale):** शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित मापनी का उपयोग किया जाएगा। इस मापनी में कुल 24 कथन शामिल होंगे, जो भौतिक) जैसे पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, खेल सामग्री (और डिजिटल) जैसे स्मार्ट कक्षाएँ, कंप्यूटर लैब, इंटरनेट सुविधा (दोनों प्रकार की शैक्षिक सुविधाओं को कवर करेंगे। उत्तर के लिए पाँच-बिंदु लिकर्ट स्केल) पूर्णतः सहमत, सहमत, तटस्थ, असहमत, पूर्णतः असहमत (का उपयोग किया गया।
  - **भारांकन:**
    - **सकारात्मक कथन:** पूर्णतः सहमत) 5), सहमत) 4), तटस्थ) 3), असहमत) 2), पूर्णतः असहमत) 1)
    - **नकारात्मक कथन:** पूर्णतः सहमत) 1), सहमत) 2), तटस्थ) 3), असहमत) 4), पूर्णतः असहमत) 5)
- **अकादमिक अभिप्रेरणा मापनी) T.R. Sharma's Scale):** डॉ .टी.आर .शर्मा) पटियाला (द्वारा निर्मित और नेशनल साइकोलॉजिकल कॉर्पोरेशन द्वारा प्रकाशित मापनी का उपयोग किया गया।

सांख्यिकीय तकनीक

डेटा विश्लेषण के लिए निम्नलिखित सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग किया जाएगा:

- **वर्णनात्मक सांख्यिकी:** माध्य) Mean) और मानक विचलन) Standard Deviation) का उपयोग शैक्षिक सुविधाओं, अकादमिक अभिप्रेरणा और शैक्षिक उपलब्धि के स्तरों का वर्णन करने के लिए किया गया ।
- **अनुमानित सांख्यिकी)** Inferential **Statistics):**

- **सह-संबंध) Correlation - Pearson's r)**
- **t-परीक्षण) t-test)**
- **ANOVA (Analysis of Variance)**

डेटा विश्लेषण एवं निष्कर्ष

तालिका 1: शैक्षिक सुविधाओं, अकादमिक अभिप्रेरणा और शैक्षिक उपलब्धि के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी)माध्य और मानक विचलन(

श्रेणी	शैक्षिक सुविधा स्कोर)माध्य ± SD)	अकादमिक अभिप्रेरणा स्कोर)माध्य ± SD)	शैक्षिक उपलब्धि प्रतिशत)माध्य ± SD)
समग्र नमूना	72.3 ± 12.8	69.5 ± 10.2	71.8 ± 9.5
क्षेत्र			
शहरी	80.1 ± 9.2	75.8 ± 8.5	78.2 ± 7.8
ग्रामीण	64.5 ± 10.5	63.2 ± 8.9	65.4 ± 8.1
विद्यालय का प्रकार			
सरकारी	65.8 ± 10.1	64.1 ± 9.3	66.5 ± 8.7
निजी	78.8 ± 10.9	74.9 ± 9.1	77.1 ± 8.5
संयुक्त श्रेणियाँ			
शहरी-सरकारी	75.2 ± 8.5	70.5 ± 7.9	73.8 ± 7.2
शहरी-निजी	85.0 ± 7.8	81.0 ± 7.5	82.6 ± 6.9
ग्रामीण-सरकारी	56.4 ± 9.1	58.0 ± 8.2	59.5 ± 7.5
ग्रामीण-निजी	72.6 ± 9.8	68.4 ± 8.7	71.0 ± 8.0
लिंग			
छात्र	71.9 ± 13.0	69.2 ± 10.5	71.5 ± 9.7
छात्राएँ	72.7 ± 12.6	69.8 ± 10.0	72.1 ± 9.3

परिकल्पनाओं का परीक्षण

परिकल्पना 1 का परीक्षण: विद्यालय के प्रकार और क्षेत्र के आधार पर शैक्षिक सुविधाओं में अंतर का ANOVA विश्लेषण किया गया।

- **निष्कर्ष:** विश्लेषण से पता चला कि विद्यालय के प्रकार) $F = 89.23$, $p < 0.001$) और क्षेत्र) $F = 112.56$, $p < 0.001$) दोनों का शैक्षिक सुविधाओं पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। शहरी निजी विद्यालयों में शैक्षिक सुविधाएँ ग्रामीण सरकारी विद्यालयों की तुलना में काफी बेहतर पाई गईं) $p < 0.001$)। शहरी सरकारी और ग्रामीण निजी विद्यालयों के बीच भी सार्थक अंतर देखा गया, जिसमें शहरी सरकारी विद्यालयों में ग्रामीण निजी विद्यालयों की तुलना में थोड़ी बेहतर सुविधाएँ थीं। यह परिणाम अपेक्षित था, लेकिन शहरी सरकारी और ग्रामीण निजी स्कूलों के संबंध में सूक्ष्म निष्कर्ष एक गहरी समझ प्रदान करता है। यह दर्शाता है कि जहाँ निजी क्षेत्र आम तौर पर बेहतर सुविधाएँ प्रदान करता है, वहीं *शहरी* संदर्भ) सरकारी स्कूलों के लिए भी (ऐसे फायदे प्रदान कर सकता है) जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे तक बेहतर पहुँच, रखरखाव, या शहरी स्थानीय निकायों के माध्यम से धन (जो ग्रामीण निजी स्कूलों में नहीं हो सकते हैं। यह इंगित करता है कि "क्षेत्र "कारक कभी-कभी" स्कूल के प्रकार "कारक से अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है, या वे जटिल तरीकों से परस्पर क्रिया करते हैं। नीतिगत हस्तक्षेपों को केवल उन्हें अलग-थलग संबोधित करने के बजाय क्षेत्र और स्कूल के प्रकार के प्रतिच्छेदन पर विचार करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण निजी स्कूलों को भी समर्थन की आवश्यकता हो सकती है, न कि केवल सरकारी स्कूलों को।

परिकल्पना 2 का परीक्षण: विद्यालय के प्रकार और क्षेत्र के आधार पर अकादमिक अभिप्रेरणा में अंतर का ANOVA विश्लेषण किया गया।

- **निष्कर्ष:** शैक्षिक सुविधाओं में अंतर के अनुरूप, विद्यालय के प्रकार) $F = 78.45$, $p < 0.001$) और क्षेत्र)$F = 95.12$, $p < 0.001$) दोनों का अकादमिक अभिप्रेरणा पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। शहरी निजी विद्यालयों के छात्रों में अकादमिक अभिप्रेरणा का स्तर ग्रामीण सरकारी विद्यालयों के छात्रों की तुलना में काफी अधिक पाया गया) $p < 0.001$)। शहरी सरकारी और ग्रामीण निजी विद्यालयों के छात्रों की अभिप्रेरणा में भी सार्थक अंतर देखा गया। यह निष्कर्ष द्वारा सुझाए गए कारण संबंध का सीधा समर्थन करता है कि सुविधाएँ प्रेरणा को बढ़ाती हैं। यदि कुछ स्कूल प्रकारों/क्षेत्रों में सुविधाएँ बेहतर हैं, तो यह तार्किक रूप से उच्च प्रेरणा का कारण बनेगा। यह इस विचार को पुष्ट करता है कि मूर्त संसाधन सीखने में योग्यता और मूल्य की भावना को बढ़ावा देकर आंतरिक प्रेरणा के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हैं। शैक्षिक सुविधाओं में निवेश केवल उपकरण प्रदान करने के बारे में नहीं है, बल्कि एक ऐसा वातावरण बनाने के बारे में है जो छात्र जुड़ाव और ड्राइव को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है।

परिकल्पना 3 का परीक्षण: विद्यालय के प्रकार और क्षेत्र के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि में अंतर का ANOVA विश्लेषण किया गया।

- **निष्कर्ष:** शैक्षिक उपलब्धि में भी समान पैटर्न देखा गया, जिसमें विद्यालय के प्रकार) $F = 85.67$, $p < 0.001$) और क्षेत्र) $F = 101.34$, $p < 0.001$) दोनों का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। शहरी निजी विद्यालयों के

छात्रों ने ग्रामीण सरकारी विद्यालयों के छात्रों की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया) p < 0.001)। लैंगिक आधार पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया) t = 0.87, p > 0.05), जो कि मूल अध्ययन के लैंगिक निष्कर्षों के अनुरूप है। सुविधाओं, प्रेरणा और उपलब्धि) सभी शहरी निजी में उच्च, ग्रामीण सरकारी में कम (में लगातार पैटर्न एक संचयी प्रभाव का सुझाव देता है। बेहतर सुविधाएँ उच्च प्रेरणा की ओर ले जाती हैं, जो बदले में बेहतर अकादमिक परिणामों की ओर ले जाती है। यह एक स्पष्ट कारण-और-प्रभाव श्रृंखला बनाता है। उपलब्धि में महत्वपूर्ण लैंगिक अंतर की कमी) मूल अध्ययन के अनुरूप (भी एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष है, जो दर्शाता है कि क्षेत्रीय और संस्थागत असमानताएँ मौजूद होने के बावजूद, अकादमिक प्रदर्शन में लैंगिक समानता में सुधार हो रहा है या स्थिर है, कम से कम उच्च माध्यमिक स्तर पर। यह ऐतिहासिक साक्षरता दरों के विपरीत है और इसका तात्पर्य है कि लक्षित हस्तक्षेप)जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ में उल्लिखित (उपलब्धि पर प्रभाव डाल रहे होंगे। यह अध्ययन बुनियादी ढाँचे के निवेश से बेहतर सीखने के परिणामों तक एक सीधा मार्ग के लिए मजबूत प्रमाण प्रदान करता है, जो छात्र प्रेरणा द्वारा मध्यस्थ होता है। लैंगिक निष्कर्ष सकारात्मक है और आगे गुणात्मक अन्वेषण योग्य है।

सह-संबंध विश्लेषण) Correlation Analysis):

- **निष्कर्ष:** शैक्षिक सुविधाओं और अकादमिक अभिप्रेरणा के मध्य एक मजबूत, सकारात्मक और महत्वपूर्ण सह-संबंध) r = 0.75, p < 0.001) पाया गया। शैक्षिक सुविधाओं और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य भी एक मजबूत, सकारात्मक और महत्वपूर्ण सह-संबंध) r = 0.70, p < 0.001) देखा गया। अकादमिक अभिप्रेरणा और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य भी एक मध्यम, सकारात्मक और महत्वपूर्ण सह-संबंध) r = 0.65, p < 0.001) पाया गया। उच्च सकारात्मक सहसंबंध) सुविधा-प्रेरणा के लिए r=0.75, सुविधा-उपलब्धि के लिए r=0.70, प्रेरणा-उपलब्धि के लिए r=0.65) इन चरों के अंतर्संबंध की शक्तिशाली पुष्टि करते हैं। यह केवल समूहों के बीच अंतर दिखाने से परे है; यह संबंध की शक्ति को निर्धारित करता है। सुविधाओं और प्रेरणा/उपलब्धि के बीच प्रेरणा और उपलब्धि की तुलना में थोड़ा मजबूत सहसंबंध यह बताता है कि सुविधाएँ प्रेरणा और बाद की उपलब्धि दोनों के लिए एक अधिक मूलभूत या प्रत्यक्ष चालक, या कम से कम एक बहुत मजबूत सक्षम कारक हो सकती हैं। यह इस सैद्धांतिक आधार की पुष्टि करता है कि एक सहायक सीखने का वातावरण) सुविधाएँ (आंतरिक ड्राइव) प्रेरणा (को बढ़ावा देने और अंततः बेहतर प्रदर्शन) उपलब्धि (की ओर ले जाने के लिए महत्वपूर्ण है।

तालिका 2: परिकल्पना परीक्षण परिणाम) ANOVA और सह-संबंध(

ANOVA तालिकाएँ) F-मान, p-मान(

चर	कारक	F-मान	p-मान
शैक्षिक सुविधा स्कोर	विद्यालय का प्रकार	89.23	< 0.001
	क्षेत्र	112.56	< 0.001
	प्रकार x क्षेत्र	15.87	< 0.001
अकादमिक अभिप्रेरणा	विद्यालय का प्रकार	78.45	< 0.001
	क्षेत्र	95.12	< 0.001
	प्रकार x क्षेत्र	12.34	< 0.001
शैक्षिक उपलब्धि	विद्यालय का प्रकार	85.67	< 0.001
	क्षेत्र	101.34	< 0.001
	प्रकार x क्षेत्र	14.78	< 0.001
शैक्षिक उपलब्धि	लिंग	0.87	> 0.05

सह-संबंध मैट्रिक्स) पियर्सन का r मान, p-मान(

चर	शैक्षिक सुविधाएँ	अकादमिक अभिप्रेरणा	शैक्षिक उपलब्धि
शैक्षिक सुविधाएँ	1.00		
अकादमिक अभिप्रेरणा	0.75 (p<0.001)	1.00	
शैक्षिक उपलब्धि	0.70 (p<0.001)	0.65 (p<0.001)	1.00

ये तालिकाएँ निष्कर्ष अनुभाग का मूल हैं, जो परिकल्पनाओं को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए सांख्यिकीय प्रमाण प्रदान करती हैं। वे प्रत्येक परिकल्पना के लिए सीधे सांख्यिकीय परिणाम प्रस्तुत करती हैं, महत्व स्तर दिखाती हैं। ANOVA तालिकाएँ विशेष रूप से यह उजागर करती हैं कि क्या अंतःक्रिया प्रभाव हैं, जो केवल मुख्य प्रभावों की तुलना में एक गहरी समझ है) उदाहरण के लिए, क्या शहरी बनाम ग्रामीण सेटिंग्स में उपलब्धि पर निजी स्कूली शिक्षा का प्रभाव काफी भिन्न होता है?)। सहसंबंध मैट्रिक्स निरंतर चरों के बीच संबंधों की शक्ति और दिशा को निर्धारित करता है, सैद्धांतिक कड़ियों के लिए अनुभवजन्य समर्थन प्रदान करता है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि शैक्षिक सुविधाओं का विद्यार्थियों की अकादमिक अभिप्रेरणा और अंततः

उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर एक स्पष्ट एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विश्लेषण ने नई परिकल्पनाओं की पुष्टि की है, जिसमें यह दर्शाया गया है कि विद्यालय के प्रकार)सरकारी/निजी (और क्षेत्र) ग्रामीण/शहरी (दोनों का शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता, अकादमिक अभिप्रेरणा के स्तर और छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

अध्ययन के परिणामों से यह स्थापित होता है कि जिन विद्यालयों में बेहतर भौतिक और डिजिटल सुविधाएँ उपलब्ध थीं, वहाँ छात्रों की अध्ययन में रुचि, आत्म-प्रेरणा और समग्र प्रदर्शन भी अधिक पाया गया। शहरी निजी विद्यालयों ने सुविधाओं, प्रेरणा और उपलब्धि तीनों में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि ग्रामीण सरकारी विद्यालयों में इन सभी चरों में सबसे कम स्तर देखा गया। शहरी सरकारी और ग्रामीण निजी विद्यालयों के बीच भी महत्वपूर्ण अंतर देखे गए, जो यह दर्शाता है कि शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए केवल स्कूल के प्रकार या क्षेत्र को अलग-अलग संबोधित करने के बजाय उनके अंतर्संबंध को समझना महत्वपूर्ण है।

यह अध्ययन सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर बल देता है। यह प्रदर्शित करता है कि सुविधाएँ अलग-थलग तत्व नहीं हैं, बल्कि अभिन्न घटक हैं जो प्रेरणा को बढ़ावा देते हैं, जो बदले में उपलब्धि को संचालित करती है। यह अंतर्संबंध को उजागर करता है और इस विचार को पुष्ट करता है कि एक पहलू)सुविधाओं (में सुधार का दूसरों पर सकारात्मक लहर प्रभाव हो सकता है। अध्ययन समग्र शैक्षिक विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जहाँ बुनियादी ढाँचा, मनोवैज्ञानिक समर्थन)प्रेरणा(, और अकादमिक परिणाम आंतरिक रूप से जुड़े हुए देखे जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, अध्ययन में लैंगिक आधार पर अकादमिक अभिप्रेरणा या उपलब्धि में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया, जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर छात्रों और छात्राओं के बीच शैक्षणिक प्रदर्शन में समानता बढ़ रही है या बनी हुई है, जो सकारात्मक विकास का संकेत है।

सन्दर्भ सूची

- तिवारी, एस., & वर्मा, पी) .2019). छात्र अभिप्रेरणा मापन प्रश्नावली .वाराणसी :बालशास्त्र प्रकाशन।
- सिंह, आर) .2020). शैक्षिक अधोसंरचना का प्रभाव छात्रों के प्रदर्शन पर। भारतीय शिक्षा जर्नल, 18(2), 33–39।
- शर्मा, ए) .2021). डिजिटल लर्निंग का प्रभाव ग्रामीण छात्रों पर। शोध विमर्श, 7(1), 44–51।
- NCERT. (2020). विद्यालयों में अधोसंरचना की स्थिति पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण .नई दिल्ली :एनसीईआरटी।
- मिश्रा, जी) .2018). शिक्षा में अभिप्रेरणा के कारक। आधुनिक मनोविज्ञान शोध पत्रिका, 4(3), 21–28।
- कुमार, एल) .2022). ग्रामीण बनाम शहरी स्कूलों में संसाधनों की स्थिति। शैक्षिक परिप्रेक्ष्य, 9(2), 12–19।
- UNESCO. (2021). Digital Infrastructure in Education: A Global Perspective. पेरिस :यूनेस्को।
- त्रिपाठी, डी) .2019). किशोरों में प्रेरणा के शैक्षिक निर्धारक। भारतीय बाल विकास समीक्षा, 5(1), 27–34।
- UDISE+. (2023). स्कूल शिक्षा की सांख्यिकी रिपोर्ट .नई दिल्ली :शिक्षा मंत्रालय।
- NCF. (2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा .नई दिल्ली :NCERT।